25/8/23 पत्रावली पेश हुई । पीठासीन अधिकारी दीगज कार्यों मे व्यस्त है, मिसल इल्तबा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 29/8/23 को पेश हो।

29/8/23 पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दिगज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इल्तबा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 22/11/23 को पेश हो।

22/11/23 पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दिगज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इल्तबा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 22/02/24 को पेश हो।

22/02/24 पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दिगज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इल्तबा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 17/05/24 को पेश हो।

17/5/24 पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उपस्थित। स्थगन आदेश की अवधि आगामी पेशी तारीख तक बढ़ाई जाती है। विप्रार्थी ~~वकील~~ गण के सम्मन पुनः पेश करने का अवसर दिया। जाकर पत्रावली आईन्दा दिनांक 31/05/24 को पेश हो।

31/05/24 पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी वकील एवं प्रार्थी अनु०। चूंकि मूलवाद को अदम पैरवी/अदम हाजरी में खारिज कर दिया गया है तो इस आवेदन को आगे चलाने का कोई औचित्य नहीं है। इस आवेदन की कार्यवाही इसी स्तर पर समाप्त की जाती है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।